नींबू

फल का नाम: नींबू
वैज्ञानिक नाम: सिट्रस लेमन
परिवार/कुल: रूटेसी
दूरी/ अंतर: 12x12, 15x15, 16x16, 18x18, 20x20, पौधे से पौधे तक और लाइन से लाइन की दूरी (6 मीटर नवीनतम)
किस्मे: फुले शरबती, बालाजी, साईं शरबती, कागजी नींबू, विक्रम, प्रमालिनी

नींबू के गुण: भारत वैश्विक स्तर पर नीबू (lime and lemon) के उत्पादन में प्रथम स्थान पर हैं। भारत में आम और केले के बाद नींबू तीसरा सबसे महत्वपूर्ण फल है। नींबू औषधीय और पौष्टिक गुणों से भरपूर होता है। यह विटामिन 'सी' (प्रति 100 ग्राम 65 मिली) का समृद्ध स्त्रोत है, और यह प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने में मदद करता है।
उपयुक्त मृदा: नींबू की खेती के लिए अच्छी जल निकास वाली हल्की दोमट, मध्यम से काली मिट्टी जिसका पीएच 6.5 -7.5 हो उपयुक्त है। कैलकेरियस मिट्टी के प्रति अत्यधिक संवेदनशील, यदि CaCo3 (चूना पत्थर) 5-7% से अधिक और EC 0.1% से अधिक है, तो इस प्रकार की मिट्टी निंबू के लीये संवेदन शील होती है और पोंधों के विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।
जलवायु: नींबू की खेती के लिए उष्ण जलवायु उपयुक्त है। कम तापमान और अधिक वर्षा पौधों के लिए हानिकारक है और गर्मियों के दौरान गर्म हवाएं फूलों और फलों के झड़ने की समस्या पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं। नींबू की खेती के लिए उपयुक्त तापमान 10-35° C और वार्षिक वर्षा 75-180 सेमी, पौधे के विकास के लिए अनुकूल है।
उत्पादन: पौधारोपण के 4-5 वर्ष बाद उत्पादन प्रारम्भ हो जाता है (चौथे वर्ष से 20 किलो प्रती पोंधा वर्ष मे दो बहार की उपज)। औसत उत्पादन 45-55 टन/हेक्टेयर/वर्ष (10 वर्ष बाद) 6 मीटर x 6 मीटर रोपण पर।
प्रमुख कीट: पत्ती लघु, लाल घुन, तना छेदक, सिट्रस सिला, पत्ती खाणे वाली ईल्ली।
प्रमुख रोग: नींबू का कैंकर या खर्रा रोग, साइट्रस ट्रिस्टेज़ा, गमोसिस, डाईबेक।

नींबू
फुले शरबती

किस्म: फुले शरबती
रोपण दिनांक: 14/04/2024
दूरी/अंतर: 10X16 पौधे से पौधे की और लाइन से लाइन की दूरी
रोपण क्षेत्र: 7.8 R
पौधों की संख्या: 42

फुले शरबती किस्म की विशेषताएं: यह किस्म साइट्रस कैंकर और ट्रिस्टेज़ा वायरस के प्रति सहनशील है। यह कुछ बीमारियों और कीटों के प्रति भी प्रतिरोधी है। इसकी शेल्फ लाइफ अच्छी है, इसलिए यह लंबे परिवहन के लिए आदर्श है। फल का आकार गोल तथा छिलका मुलायम होता है, वजन 50-55 ग्राम । साई शरबती की तुलना में फुले शरबती से दर्ज की गई उपज 11.3% अधिक है। महाराष्ट्र में खेती के लिए उपयुक्त है।

उत्पादन: उत्पादन 4-5 साल बाद शुरु होता है (चौथे वर्ष से 20 किलो प्रती पोंधा वर्ष मे दो बहार की उपज), औसत उत्पादन 52-53 टन/हेक्टेयर/वर्ष (10 साल बाद) रोपण के 6 x 6 मीटर पर।

नींबू
बालाजी

किस्म: बालाजी
रोपण दिनांक: 22/11/2023
दूरी/ अंतर: 10X16 पौधे से पौधे की और लाइन से लाइन की दूरी
रोपण क्षेत्र: 2.6 R
पौधों की संख्या: 18

बालाजी किस्म की विशेषताएं: बड़े आकार के फलों वाली यह मूल भारतीय किस्म, फल के विपरीत सिरे पर निपल, पीले और हरे रंग का होता है। फल मीठा और रसदार होता है. यह किस्म साइट्रस कैंकर के प्रति प्रतिरोधी है और छाल फटने और सूखी सड़न से प्रतिरक्षित है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए उपयुक्त।

उत्पादन: उत्पादन 4-5 साल बाद शुरू होता है, औसत उत्पादन 55 टन/हेक्टेयर/वर्ष (10 साल बाद) रोपण के 6 x 6 मीटर पर।

नींबू
कागज़ी नींबू

किस्म: कागज़ी नींबू
रोपण दिनांक: 22/11/2023
दूरी/अंतर: 10X16 पौधे से पौधे की और लाइन से लाइन की दूरी
रोपण क्षेत्र: 2.6 R
पौधों की संख्या: 18

कागज़ी नींबू किस्म की विशेषताएं: पीले हरे छिलके वाले छोटे से मध्यम आकार के फल। फलों का उपयोग मुख्य रुप से प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) के लिए किया जाता है।

उत्पादन: उत्पादन 4-5 साल बाद शुरु होता है, औसत उत्पादन 55 टन/हेक्टेयर/वर्ष (10 साल बाद) रोपण के 6 x 6 मीटर पर।

नींबू
साई शरबती

किस्म: साई शरबती
रोपण दिनांक: 28/07/2023
दूरी/अंतर: 10X16 पौधे से पौधे की और लाइन से लाइन की दूरी
रोपण क्षेत्र: 7.05 R
पौधों की संख्या: 48

साई शरबती किस्म की विशेषताएं: इस किस्म के फल चिकने, पतले छिलके वाले और एक समान मध्यम आकार (50 ग्राम) के होते हैं। यह किस्म साइट्रस कैंकर और ट्रिस्टेज़ा रोग के प्रति सहनशील है। इसकी शेल्फ लाइफ अच्छी होती है। यह मृग और अंबे बहार में फल देता है। इसमें TSS और साइट्रिक एसिड अधिक मात्रा मे होता है। रस की मात्रा 54-55% होती है।

उत्पादन: उत्पादन 4-5 साल बाद शुरू होता है, (चौथे वर्ष से 20 किलो प्रती पोंधा वर्ष मे दो बहार की उपज), औसत उत्पादन 47 टन/हेक्टेयर/वर्ष (10 साल बाद) रोपण के 6x6 मीटर पर।